पाठ 8

मौर्योत्तर काल में भारत की स्थिति व विदेशियों से सम्पर्क

हम अपने परिचितों, रिश्तेदारों आदि के घर जाते हैं। प्रायः हम इनसे रहन-सहन, तौर-तरीके, भोजन आदि सम्बन्धी अच्छी बातें सीख लेते हैं। इसी प्रकार एक देश से दूसरे देश को जाने वाले लोग भी एक-दूसरे से बहुत कुछ सीख लेते हैं। भारत में भी जब विदेशी लोग आए और यहाँ शासन किया तब उनसे हमने और उन्होंने हमसे बहुत सी बातें सीखीं।

मौर्यों के बाद लगभग 200 ई0पू0 से जो काल आरम्भ होता है उसमें अधिकतर छोटे-छोटे राज्य हुए। पूर्वी भारत, मध्य भारत और दक्कन (दक्षिण) में मौर्यों के स्थान पर कई स्थानीय ब्राह्मण शासक सत्ता में आए जैसे शुंग, कण्व और सातवाहन। इनमें सातवाहन (आन्ध्र) सब से अधिक प्रसिद्ध हुए।

सातवाहन वंश (लगभग 30 ई0पू0 से 203 ई0 तक)

कार्ले का चैत्य का भीतरी दृश्य

इस वंश का संस्थापक सिमुक था। उसके उत्तराधिकारियों ने अपने पराक्रम से एक विशाल राज्य की स्थापना की।

इस वंश के शासक वैदिक धर्म के अनुयायी थे। इन्होंने सभी धर्मों के प्रति समान दृष्टिकोण अपनाया। बौद्ध भिक्षुओं को भी भूमि तथा ग्राम दान में दिए। इसी समय पत्थर की ठोस चट्टानों को काटकर चैत्यों और विहारों का निर्माण हुआ। इनमें कार्ले का चैत्य मण्डप प्रसिद्ध है।

चैत्य बौद्ध धर्म के प्रार्थना स्थल होते हैं।

पश्चिमोत्तर भारत

पश्चिमोत्तर भारत में भी मौर्यों के स्थान पर मध्य एशिया और चीन से आए कई विदेशी राजवंशों ने अपना शासन जमाया जैसे हिन्द-यूनानी, शक, पह्लव और कुषाण।

सबसे अधिक विख्यात हिन्द-यूनानी शासक मिनाण्डर हुआ। वह मिलिन्द नाम से भी जाना जाता है। उसकी राजधानी पंजाब में शाकल (आधुनिक सियालकोट) थी।

यूनानियों के बाद शक आए। शक शासकों में रुद्रदामन प्रथम सबसे अधिक विख्यात शासक था। शक के बाद पह्लव (पार्थियाई) ईरान से भारत में आए। वे शकों की तरह भारतीय राजतंत्र और समाज के अभिन्न अंग बन गए।

पह्लवों के बाद कुषाण आए, कुषाण शासकों में कनिष्क सर्वाधिक विख्यात शासक हुआ। वह इतिहास में दो कारणों से प्रसिद्ध हुआ। पहला- उसने 78 ई0 में एक संवत् चलाया जो शक संवत् कहलाता है और भारत सरकार द्वारा प्रयोग में लाया जाता है। दूसरा- उसने बौद्ध धर्म को अपनाकर कश्मीर में चौथी बौद्धसभा को भी आयोजित करवाया था।

पारस्परिक आदान-प्रदान

तकनीकी

भारतीयों ने हिन्द-यूनानी व कुषाणों से सोना व चाँदी को पिघलाकर सिक्के बनाने का नया तरीका सीखा। यह विधि, पूर्व प्रचलित चाँदी की चादर के कटे हुए टुकड़ों में लगे ठप्पों के सिक्कों से अधिक सुंदर व स्पष्ट थी। इन सिक्कों में राजाओं के चित्र व लिपि बहुत ही सुन्दर व स्पष्ट थी।

चाँदी से निर्मित यूनानी सिक्का

इन सिक्कों से वर्तमान सिक्कों की तुलना करें और चर्चा करें कि वर्तमान सिक्कों से किस प्रकार और कितने भिन्न हैं।

कुषाण कालीन सोने का सिक्का

पहनावा

शक व कुषाण पगड़ी, कुर्ती, पजामा, लम्बे जूते और भारी लम्बे कोट (शेरवानी) को प्रचलन में लाए।

व्यापार

- मध्य एशिया व रोमन साम्राज्य से सम्पर्क होने से भारी मात्रा में सोना प्राप्त हुआ।
- काँच के बने बर्तन को बनाने की तकनीक में भी प्रगति हुई।
- इस काल में नगरीकरण चोटी पर पहुँच गया था। कनिष्क ने तक्षशिला, पुरुषपुर नगर का सुन्दरीकरण किया और कश्मीर में कनिष्कपुर नगर (आधुनिक कांजीपुर श्रीनगर के पास) बसाया।

कनिष्क की सिर विहीन मूर्ति

ीकुषाणों ने चीन से मध्य एशिया होते हुए रोमन साम्राज्य को जाने वाले प्रख्यात रेशम मार्ग पर नियंत्रण कर लिया था जिससे भारतीय व्यापार के लिए नए अवसर मिले और भारतीय व्यापार में वृद्धि हुई।

मानचित्र देखकर लिखिए–

1. उन देशों के नाम लिखिए जिन देशों से होकर रेशम का व्यापार होता था।

.....

.....

.....

.....

.....

विज्ञान और प्रौद्योगिकी

हिन्द यूनानियों के सम्पर्क से खगोल एवं ज्योतिष शास्त्र में प्रगति हुई। सप्ताह के हर दिन को सूर्य, चन्द्रमा एवं अन्य ग्रहों के नाम से पुकारते हैं जैसे - रवि, सोम, मंगल, शनि। यह हमने यूनानियों से सीखा।

यूनानी औषधि पद्धति के विषय में जानकारी हुई।

चरक एवं उनका सहयोगी

कनिष्क के समय चरक नामक चिकित्सक हुए। इन्होंने चरकसंहिता नाम की एक पुस्तक लिखी जिसमें 600 से ज्यादा औषधियों के बारे में लिखा है। यह संहिता निर्देश देती है कि चिकित्सक को अपने मरीजों से विश्वासघात नहीं करना चाहिए।

मूर्तिकला

कुषाणकाल की कला के दो प्रमुख केन्द्र मथुरा एवं गान्धार थे। मथुरा में लाल बलुआ पत्थर और गान्धार में स्लेटी पत्थर की मूर्तियाँ गढ़ी जाती थीं।

वदोनों मूर्तियों में क्या फर्क है ?

गान्धार शैली की मूर्ति मथुरा शैली की मूर्ति

वमूर्ति के कपड़ों की चुन्नटें कहाँ के कलाकार ज्यादा दिखाते थे ?

वबालों के घुँघरालेपन को कहाँ के कलाकार ज्यादा उभारकर बनाते थे ?

वक्या तुम्हें और भी कोई फर्क दिख रहा है ?

राज्य व्यवस्था

राजा में देवत्व की भावना की प्रणाली शकों एवं कुषाणों से प्राप्त हुई। ''महाराजाधिराज'' की अवधारणा कुषाणों की देन है।

उन्होंने भारत से क्या सीखा ?

विदेश से आए आक्रमणकारियों के पास अपनी भाषा, लिपि एवं कोई सुव्यवस्थित धर्म नहीं थे, इसलिए उन्होंने संस्कृति के इन उपादानों को भारत से लिया। भारत में विदेशी प्रभाव से एक मिली जुली संस्कृति का विकास हुआ। चीन ने बौद्ध चित्रकला भारत से सीखी।

भारतीय संस्कृति में अन्य देशों की संस्कृतियों को मिला लेने की अपूर्व क्षमता रही है। यही कारण है कि विदेशी आक्रमणकारी भी भारतीय समाज के अभिन्न अंग बन गए। भारतीय संस्कृति में सहिष्णुता, सामाजिक मेलजोल, लचीलापन, उदारवादिता व वसुधैव कुटुम्बकम् (पृथ्वी के सभी निवासी एक ही परिवार के सदस्य हैं) को ही आदर्श माना गया है। इस कारण यह संस्कृति आज भी विद्यमान है जबकि अन्य समकालीन प्राचीन सभ्यताएं जैसे- मेसोपोटामिया, मिस्र, यूनान एवं रोम विलुप्त हो चुके हैं और उनके भौतिक अवशेष ही बचे हैं।

और भी जानो

सबसे पहले भारत में हिन्द यूनानियों ने सोने के सिक्के जारी किए।

कुषाण राजाओं ने उच्चकोटि की स्वर्ण मुद्राएँ जारी कीं।

इसी समय बौद्ध धर्म दो सम्प्रदायों में बँट गया- हीनयान और महायान। कनिष्क महायान का संरक्षक था।

*** अभ्यास**

1. शुंगवंश का संस्थापक कौन था?

2. कण्व वंश के अन्तिम शासक का नाम बताइए।

3. सिमुक किस वंश का शासक था?

4. सातवाहन कालीन धर्म की क्या विशेषता थी?

5. भारत के विदेशों से सम्पर्क के कारण व्यापार, पहनावा, ज्ञान विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी में क्या बदलाव आया ?

6. कुषाण कालीन कला की विशेषता का उल्लेख करिए।

7. विदेशियों ने भारत से क्या सीखा? लिखिए।

8. भारतीय संस्कृति की ऐसी क्या विशेषताएं हैं, जिससे कि वह अन्य प्राचीन सभ्यताओं से भिन्न है?

9. सही कथन के सामने (झ) तथा गलत कथन पर (′) का निशान लगाइए -

अ. कार्ले का चैत्य मण्डप कुषाणों ने बनवाया।

ब. मिनाण्डर शक शासक था।

स. भारत में सोने के सिक्के सबसे पहले कुषाण राजा ने चलाए ।

द. मथुरा एवं गान्धार कुषाण काल की कला के प्रमुख केन्द्र थे।

10 रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।

अ. सातवाहन वंश के शासक ..... धर्म के अनुयायी थे।

ब. कनिष्क ने .....संवत् चलाया।

स. कण्व वंश के संस्थापक .....थे।

द. शक शासकों में .....सबसे अधिक विख्यात शासक था।

प्रोजेक्ट वर्क

गान्धार शैली एवं मथुरा शैली के किन्हीं दो-दो मूर्तियों के चित्र अपनी पुस्तिका में चिपकाएँ और विशेषताआंे का उल्लेख कीजिए।